 Roll No. ……..

CAFN–01

आयुर्वेद

Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN–16/17)

Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आयु के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए आयुर्वेद की परिभाषा बताइए। आयुर्वेद के आठ अंगों पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।
2. दोष, धातु एवं मलों को स्पष्ट करते हुए दोषों के स्थान, काल एवं गुणों का वर्णन कीजिए।

3. आयुर्वेद के आहारीय चिकित्सा पद्धति में योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
4. पथ्य एवं अपथ्य की परिभाषा लिखते हुए षड्रसों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आयुर्वेद की उत्पत्ति के क्रम को स्पष्ट करते हुए आयुर्वेद के बृहत्त्रयी एवं लघुत्रयी ग्रन्थों के नाम बताइये।
2. विभिन्न औषध सेवन काल को स्पष्ट कीजिए।
3. आयुर्वेद में वर्णित आहार (भोजन) के नियमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. तुलसी व छोटी इलायची के वानस्पतिक नाम, प्रयोज्योग, उत्पत्ति स्थान एवं उपयोग का वर्णन कीजिए।
5. निम्नलिखित औषधियों का वानस्पतिक नाम एवं प्रयोज्योग बताइए :
   (अ) हींग
   (ब) लौंग
   (स) मेथी
   (द) धनियाँ
   (इ) काली मिर्च

6. चिकित्सा के सामान्य सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।
7. रसायन की परिभाषा बताते हुए रसायन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) शार्ङ्गधर संहिता
   (ब) कौमारभृत्य

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा ($\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. ब्रह्मा ने आयुर्वेद का उपदेश सर्वप्रथम किसे दिया ?
   (अ) अश्विनीकुमार
   (ब) भारद्वाज
   (स) आत्रेय
   (द) दक्ष प्रजापति
2. आयुर्वेद को किस वेद का उपवेद माना जाता है ?
   (अ) सामवेद
   (ब) ऋग्वेद
   (स) अथर्ववेद
   (द) यजुर्वेद

3. निम्नलिखित में बृहत्त्रयी ग्रन्थ नहीं है :
   (अ) चरक संहिता
   (ब) शाङ्गर्धर संहिता
   (स) सुश्रुत संहिता
   (द) अष्टांग हृदय

4. आयुर्वेद के जिस अंग में सर्प, कीट, विष इत्यादि की चिकित्सा का वर्णन है, उसे कहते हैं :
   (अ) अगदतंत्र
   (ब) बाजीकरण
   (स) भूतविद्या
   (द) शालाक्य तंत्र

5. कफ संचय मुख्यतः किस ऋतु में होता है ?
   (अ) शिशिर
   (ब) बसन्त
   (स) ग्रीष्म
   (द) वर्षा

सत्य/असत्य लिखिए :

6. शिशिर ऋतु में दिवास्वप्न निषिद्ध नहीं है। (सत्य/असत्य)
7. दोषों की विषमता से होने वाले रोग निज रोग कहलाते हैं। (सत्य/असत्य)
8. 'साधक' कफ दोष का एक भेद है। (सत्य/असत्य)
9. चीन में प्रचलित चिकित्सा पद्धति के प्रथम आचार्य 'अगस्त्य' थे। (सत्य/असत्य)
10. महर्षि आत्रेय द्वारा ही आयुर्वेद के ज्ञान को लिपिबद्ध किया गया था। (सत्य/असत्य)